

प्रेषक,

सी० भास्कर,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मै० हिमालय हाईड्रो पावर प्रा० लि०,
प्लॉट नं० 6, एम०एल०ए० एवं एम०पी० कालोनी,
रोड नं० 10-सी, जुबली हिल्स,
देहराबाद-500033

ऊर्जा अनुभाग-2,

देहरादून: दिनांक: 16 नवम्बर, 2007

विषय:-

मोतीघाट लघु जल विद्युत परियोजना की क्षमता बढ़ाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र दिनांक 08.01.2007 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वर्णित जल विद्युत परियोजना की क्षमता वृद्धि 03 से 05 मे०वा० करने की सहमति शासन द्वारा निम्नलिखित प्रतिबन्धों/शर्तों के अधीन प्रदान कर दी गई है:-

- 1- नदी में डायवर्जन से हमेशा न्यूनतम 10 प्रतिशत पानी छोड़ना होगा जो पर्यावरण एवं स्थानीय मांग के अनुसार आवश्यक है।
- 2- परियोजना की कमीशनिंग तिथि (27.10.2008) पूर्ववत् रहेगी।
- 3- क्षमतावृद्धि का पूर्ण जोखिम विकासकर्ता का रहेगा।
- 4- क्षमतावृद्धि के सापेक्ष वित्तीय प्रबन्ध अनुपूरक अनुबन्ध हस्ताक्षरित किये जाने के तीन माह के अन्दर पूर्ण किया जायेगा।

उक्त के क्रम में मुझे आपसे यह भी कहने का निदेश हुआ है कि कृपया बड़ी हुई क्षमता के सापेक्ष अनुपूरक अनुबन्ध पर हस्ताक्षर करने हेतु अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपस्थित हों, संशोधित क्षमता वृद्धि के अनुसार डी.पी.आर. की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तथा उक्त क्षमता वृद्धि के क्रम में पूर्व में हस्ताक्षरित क्रियान्वयन अनुबन्ध की सभी शर्तें यथावत् रहेंगी एवं परियोजना की क्षमता मात्र ही उक्तानुसार परिवर्तित/संशोधित समझी जायेगी।

भवदीय,

(सी० भास्कर)
अपर सचिव

संख्या: 1990 /1(2)/2007-4(8)/44/04, दिनांक।

प्रतिलिपि:-

- 1- सचिव, सिंचाई, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- आयुक्त, कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
- 3- प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि०/उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०, देहरादून।
- 4- मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, यमुना कालोनी, देहरादून।
- 5- सचिव, उत्तराखण्ड विद्युत नियामक आयोग, देहरादून।
- 6- जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
- 7- महाप्रबन्धक (विकास), उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि०, देहरादून।
- 8- विशेषज्ञ सलाहकार, ऊर्जा सैल, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- महाप्रबन्धक, हिमालय हाईड्रो प्रा० लि० (मोतीघाट यूनिट), शोराघाट मुन्स्यारी, पिथौरागढ़।
- ✓ 10- शासन की वेबसाईट हेतु एन.आई.सी. को।

(सी० भास्कर)
अपर सचिव